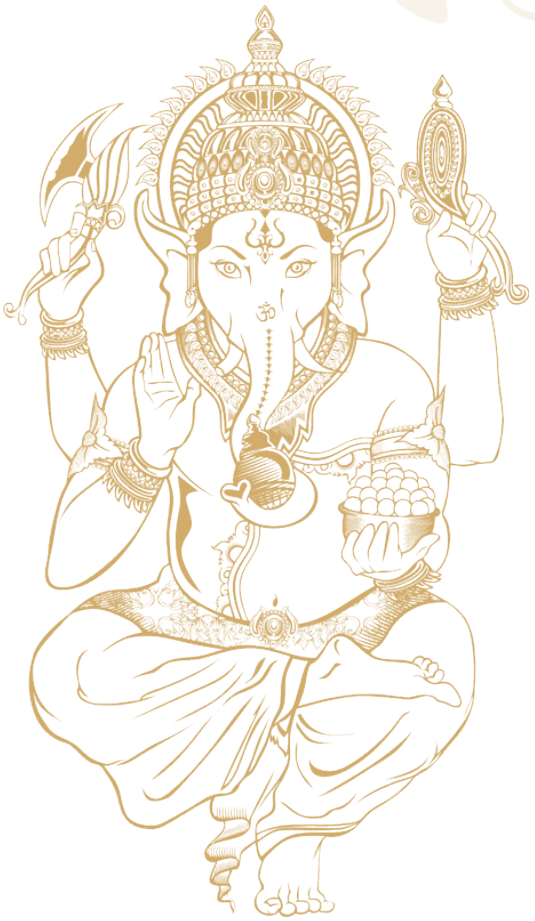

Khushi

03 Nov 2002

11:45 PM

Chhatarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121940802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/11/2002**
दिन	रविवार
जन्म समय	**23:45:00 घंटे**
इष्ट	43:32:02 घटी
स्थान	**Chhatarpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	24:54:00 उत्तर
रेखांश	79:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:33:20 घंटे
वेलान्तर	00:16:28 घंटे
साम्पातिक काल	02:24:40 घंटे
सूर्योदय	06:20:11 घंटे
सूर्यास्त	17:30:12 घंटे
दिनमान	11:10:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	17:15:31 तुला
लग्न के अंश	18:04:21 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	प्रीति
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रा-राखी
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	18:04:21	314:20:00	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	---
सूर्य			तुला	17:15:31	01:00:07	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			तुला	01:43:55	15:10:43	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल			कन्या	18:15:34	00:38:23	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध		अ	तुला	10:46:52	01:39:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			कर्क	22:43:20	00:05:37	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र	व	अ	तुला	12:02:12	00:35:19	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		मिथु	04:42:09	00:02:29	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:59:37	00:03:38	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:59:37	00:03:38	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	01:01:00	00:00:02	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:21:37	00:00:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:14:35	00:01:58	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	14:39:00	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:31

लग्न-चलित

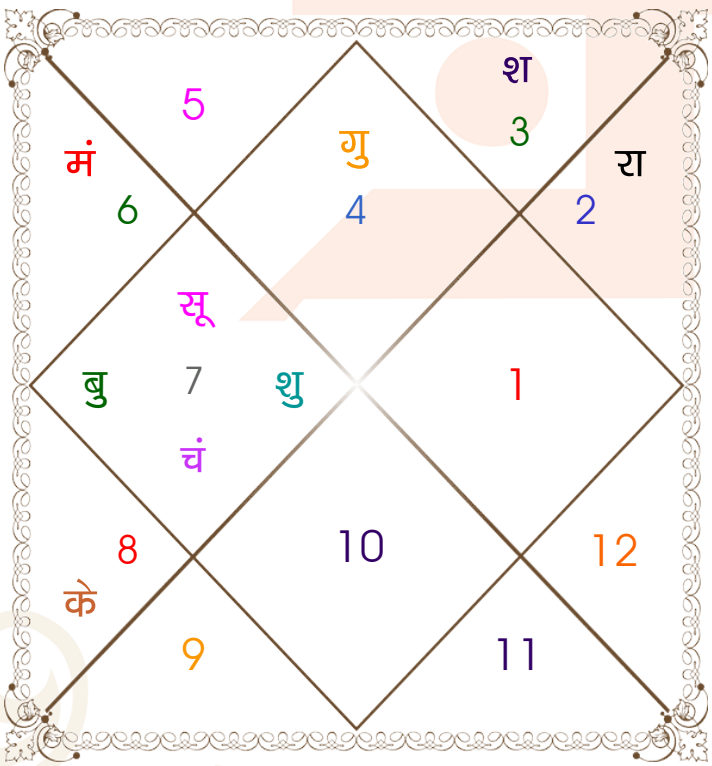

चन्द्र कुंडली

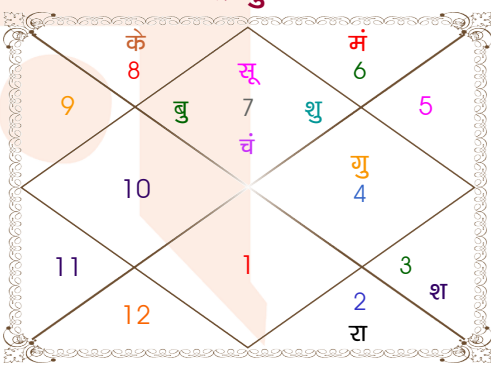

नवमांश कुंडली

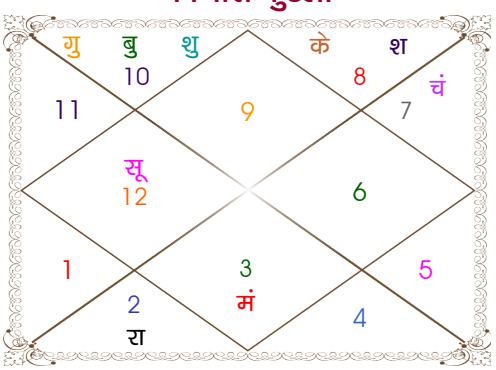

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 7 मास 2 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/11/2002		07/06/2005		07/06/2023		07/06/2039		07/06/2058	
07/06/2005		07/06/2023		07/06/2039		07/06/2058		07/06/2075	
	00/00/0000	राहु	18/02/2008	गुरु	25/07/2025	शनि	10/06/2042	बुध	03/11/2060
	00/00/0000	गुरु	14/07/2010	शनि	06/02/2028	बुध	17/02/2045	केतु	31/10/2061
	00/00/0000	शनि	19/05/2013	बुध	14/05/2030	केतु	29/03/2046	शुक्र	31/08/2064
	03/11/2002	बुध	07/12/2015	केतु	20/04/2031	शुक्र	29/05/2049	सूर्य	07/07/2065
बुध	04/12/2002	केतु	24/12/2016	शुक्र	19/12/2033	सूर्य	11/05/2050	चंद्र	07/12/2066
केतु	02/05/2003	शुक्र	25/12/2019	सूर्य	07/10/2034	चंद्र	10/12/2051	मंगल	04/12/2067
शुक्र	01/07/2004	सूर्य	18/11/2020	चंद्र	06/02/2036	मंगल	18/01/2053	राहु	22/06/2070
सूर्य	06/11/2004	चंद्र	20/05/2022	मंगल	12/01/2037	राहु	25/11/2055	गुरु	27/09/2072
चंद्र	07/06/2005	मंगल	07/06/2023	राहु	07/06/2039	गुरु	07/06/2058	शनि	07/06/2075

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
07/06/2075		07/06/2082		08/06/2102		07/06/2108		08/06/2118	
07/06/2082		08/06/2102		07/06/2108		08/06/2118		00/00/0000	
केतु	03/11/2075	शुक्र	06/10/2085	सूर्य	26/09/2102	चंद्र	08/04/2109	मंगल	04/11/2118
शुक्र	03/01/2077	सूर्य	07/10/2086	चंद्र	27/03/2103	मंगल	07/11/2109	राहु	23/11/2119
सूर्य	10/05/2077	चंद्र	06/06/2088	मंगल	02/08/2103	राहु	09/05/2111	गुरु	29/10/2120
चंद्र	09/12/2077	मंगल	07/08/2089	राहु	26/06/2104	गुरु	07/09/2112	शनि	07/12/2121
मंगल	08/05/2078	राहु	06/08/2092	गुरु	14/04/2105	शनि	08/04/2114	बुध	04/11/2122
राहु	26/05/2079	गुरु	07/04/2095	शनि	27/03/2106	बुध	08/09/2115		00/00/0000
गुरु	01/05/2080	शनि	07/06/2098	बुध	31/01/2107	केतु	08/04/2116		00/00/0000
शनि	10/06/2081	बुध	08/04/2101	केतु	08/06/2107	शुक्र	07/12/2117		00/00/0000
बुध	07/06/2082	केतु	08/06/2102	शुक्र	07/06/2108	सूर्य	08/06/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 7 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के प्रथम चरण में मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्नोदय काल हुआ था। कर्क राशि के लग्नोदय संयोजन से धनु राशि के नवमांश के साथ-साथ वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित था। अर्थात् आप अपने जीवन में सम्पूर्णतः सफल होंगे। कर्क राशीय प्रभाव से आपका व्यक्तिव गुणयुक्त है तथापि आपका जीवन संघर्षपूर्ण रहेगा। आपको अपनी मानसिक खिन्नता को अपदस्थ करना होगा तथा आप अति समृद्धशाली धनी होकर अपना सुखद जीवन व्यतीत करेंगी।

कर्क राशीय प्रभाव से आपका आचरण भविष्यवक्ता की भाँति होगा। आप में यह गुण विद्यमान है कि आप महत्त्वपूर्ण कार्य सम्पादन कर अर्थ संग्रह करेंगी। धनु राशीय नवमांश के प्रभाव से आपको सदैव उचित दिशा निर्देशन प्राप्त होता रहेगा। परन्तु आपके जन्म नक्षत्र के प्रभाव से यह संभव है कि आपके स्वभाव को कृतघ्नतापूर्ण तथा आपके व्यवहार को अविश्वसनीय कर दे। आप अपनी नकारात्मक दृष्टिकोण को त्यागकर ही अपने चारित्रिक विकास हेतु सकारात्मक दिशा का व्यवहारिकता प्रदान कर सकती हैं, इन घटनाओं के फलस्वरूप यह संभव है कि मुख्यतः आप अपनी आयु के तैतीसवें वर्ष में धनी होकर लाभांश प्राप्त करेंगी।

यदि आप अपने हीनभावनात्मक स्वभाव का परित्याग कर दें तो आपकी हीन भावना समाप्त होकर मनोबल उच्च हो जाएगा तथा आपको कार्य-व्यवसाय के कार्यान्वयन में सहायक होकर आपके साहसिक प्रवृति एवं आत्म संतुष्टि को सुनिश्चित करेगा। यदि आप नियत समय पर अपनी पहुँच को व्यवहारिक रूप देने का प्रयत्न करें तो सफलता प्राप्त कर सकती हैं। परन्तु आप किसी पथ पर अग्रसर होकर अकस्मात् आलस्य के कारण सुनिश्चित क्षेत्र के प्रवेश काल अर्थात् कार्यारम्भ के समय विराम करती हैं। परिणामस्वरूप आपकी सफलता संदिग्ध तथा आप असफल रह जाती हैं।

आप निश्चयपूर्वक अपने प्रतिद्वन्द्वी से आशंकित नहीं रहती परन्तु अपने तथाकथित उलझन एवं विवादों को अच्छी प्रकार त्याग कर सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे, मंदगति से अपने उद्देश्यित लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिए। आपकी द्विविधात्मक व्यक्तित्व सदैव आपको पारिवारिक सदस्यों के समक्ष परीक्षित होगा कि आपका पारिवारिक सम्बन्ध कैसा है।

कर्क राशीय प्रभावानुसार आपको परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित एवं कल्याण हेतु त्याग करना चाहिए। परंतु आपके लिए यह निर्देशन है कि इनके साथ अस्वाभाविक संबंध स्थापित न करे। आपको ध्यानपूर्वक यह विचार करना उत्तम है कि चाहे जो कुछ भी हो इनके किसी भी प्रकार की उत्तेजनात्मक प्रवृति का अनुभव करें।

यदि आप कार्य योजना की प्रस्तावना के अनुरूप आचरण करें तो आप बहुत अधिक धन सम्पति बना सकती हैं। आपके लिए अभिष्ट कार्य व्यवसाय जल से संबंधित होना उपयुक्त है। यथा सिचाई विभाग, कृषि विभाग, तटबंध, पुल, जहाजरानी के कार्य अनुकूल है। यदि आप चाहें तो ट्रेवल ऐजेन्सी एवं ज्योतिषीय कार्य कलाप भी अपना सकती हैं। आप गले

के संक्रमण रोग, उदासीनता, मनोरोग एवं शारीरिक उष्णता संबंधी रोग से प्रभावित हो सकती है-अस्तु समय-समय पर अपने परिवारिक चिकित्सक से मिलकर आरोग्यात्मक विचार ग्रहण करना चाहिए।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रदोलित करने वाला है। आपके लिए प्रतिकूल अंक 3 एवं 5 अंक है जो सर्वथा त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, लाल, सफेद एवं क्रीम रंग है। हरा और ब्लू रंग त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।